शुक्रवार

15 अगस्त 2025

● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 190
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

स्वतंत्रता दिवस पर दोहराया आदर्श राज्य का संकल्प

●प्रदेश में धूमधाम से मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

विशेष संवाददाता

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड में आज स्वतंत्रता दिवस उत्साह तथा धूमधाम से मनाया गया। आपदा ग्रस्त धराली से लेकर सभी जिला मुख्यालयों में ध्वजारोहण के साथ अनेक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य समारोह का आयोजन देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया। 79वें स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ध्वजारोहण करते हुए प्रदेशवासियों को बधाइयां देते हुए अपने संबोधन में उत्तराखंड को आदर्श राज्य बनाने के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में उनकी सरकार निरंतर इस दिशा में प्रयास कर रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने केंद्र सरकार की तमाम बड़ी उपलब्धियों को गिनाने के साथ-साथ राज्य सरकार की नीतियों और कार्यों का उल्लेख भी किया गया। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था तेज गति से विकास की ओर अग्रसर है तथा मोदी के नेतृत्व में 2047 तक हमारा देश एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के साथ हमारा प्रदेश भी लगातार समृद्धि व आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। राज्य में स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पेयजल व शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है

❑मुख्यमंत्री ने केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाई

राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए तमाम योजनाएं चलाई जा रही है तथा विकास का विस्तृत रोड मैप तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में दूरसंचार और एयर कनेक्टिविटी के साथ ही पर्यटन और उद्योगों का भी विकास हो रहा है। उन्होंने राज्य में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट की उपलब्धि से लेकर राज्य में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन में राज्य को सातवां स्थान मिलना बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने किसानों के लिए चलाई जा रही तमाम योजनाओं के लाभ गिनाते हुए बीते 4 सालों में 24 हजार युवाओं को रोजगार देने तथा राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने व सशक्त भू कानून लाने तथा कड़े नकलरोधी, दंगा निरोधी कानून के साथ-साथ लव जिहाद तथा धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून बनाने की उपलब्धियों का भी जिक्र किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को भी सम्मानित किया तथा कुछ विभागों के कर्मचारियों के मानदेय बढ़ाने व अन्य सुविधाएं बढ़ाने की भी घोषणा की। कार्यक्रम में पूर्व सीएम भगत सिंह कोश्यारी, महेंद्र भट्ट, नरेश बंसल, सुबोध उनियाल, खजान दास, मुख्य सचिव आनंद वर्धन, डीजीपी दीपम सेठ, डीएम सविन बंसल व एसएसपी अजय सिंह भी मौजूद रहे।

दून वैली मेल

संपादकीय

चुनाव आयोग की छीछालेदर

अपनी विश्वसनीयता और निष्पक्षता के कारण देश के निर्वाचन आयोग को लोकतंत्र में सबसे सशक्त माना जाता था और देश की जनता उस पर सुप्रीम कोर्ट की तरह भरोसा करती थी। अब उसकी नींव दरक चुकी है। सवाल यह नहीं है कि क्या निर्वाचन आयोग आसानी से दोबारा जनता का विश्वास जीत सकेगा? दुखद पहलू यह है कि अपनी उस छी छालेदरी के लिए जो वर्तमान समय में हो रही है उसके लिए कोई और नहीं निर्वाचन आयोग खुद ही जिम्मेदार है। यहां यह कहना भी गलत नहीं होगा कि केंद्र की वर्तमान सरकार की दासता को अगर चुनाव आयोग ने स्वीकार नहीं किया होता तो वह इस दुर्दशा से बच सकता था। जब यह निर्वाचन आयोग ऐसी संवैधानिक स्वायत्तता के अधिकारों से लैस है जहां कोई भी सरकार या संस्था अपनी बात मनवाने पर मजबूर नहीं कर सकता है तब निर्वाचन आयोग को सत्ता का पिट्ठू बनने की क्या जरूरत थी? नेता विपक्ष द्वारा अभी एक प्रेस वार्ता के जरिए जब वोट चोरी का सबूत के साथ खुलासा किया गया था तो क्यों उसने यह स्वीकार करने की कि अगर मतदाता सूचियों में कुछ गड़बड़ी है तो उसे ठीक किया जाएगा, के बजाय उल्टे राहुल गांधी से ही शपथ पत्र मांगने की बात कहकर उन्हें डराने की कोशिश की गई तथा बिहार में एस आई आर के नाम पर किए जाने वाले ड्रामें जिसमें 65 लाख वोटरों से मताधिकार छीनने का काम क्यों किया गया और सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर कहा गया कि वह न तो किसी को यह बतायेगा कि उसका नाम मतदाता सूची से क्यों काटा गया और न उनके नाम को सार्वजनिक करेगा? चुनाव आयोग क्या स्वयं को संविधान से भी ऊपर माने बैठा था कि वह आम आदमी से उसके वोट के संवैधानिक अधिकार को छीन लेगा और कोई कुछ नहीं कर पाएगा। देश की सर्वोच्च अदालत ने एस आई आर पर हो रही सुनवाई के बीच ही आज जो अंतरिम आदेश दिया गया है उसने चुनाव आयोग को उसकी औकात बता दी है। अब उसे 65 लाख उन लोगों के नामों की सूची तो सार्वजनिक करनी ही पड़ेगी साथ ही उन्हें नाम काटे जाने का कारण भी बताना पड़ेगा। यही नहीं उसे इन 65 लाख लोगों में से जो जायज वाटर होंगे उन्हें सिर्फ आधार कार्ड के आधार पर फिर मतदाता सूची में शामिल करना भी पड़ेगा। निश्चित तौर पर अब इस धांधली की हर एक परत से पर्दा उठेगा और चुनाव आयोग की और अधिक किरकिरी होगी। क्योंकि अब यह मुद्दा बिहार की एस आई आर तक ही सीमित नहीं रह गया है वोट चोरी का यह मुद्दा 2024 में हुए लोकसभा चुनाव की वैधता तक जा पहुंचा है। और यह सार्वजनिक रूप से कहा जा रहा है कि पीएम मोदी खुद तो चोरी के वोट से चुनाव जीते ही उनकी सरकार भी चोरी के वोट से सत्ता में बैठी है। इसके अलावा आज सुप्रीम कोर्ट ने ढाई साल लंबी कानूनी लड़ाई के बाद पानीपत के एक गांव के सरपंच चुनाव में हुई धांधली के मामले में कोर्ट में ईवीएम मशीनें मंगवा कर कराई रिकॉउटिंग में हारे हुए प्रत्याशी मोहित को 51 मतों से विजई घोषित कर दिया और जिस प्रत्याशी कुलदीप को सिस्टम ने जीता दिया था उसे चुनाव हरा दिया। ईवीएम की चुनावी धांधली के इस तरह पकड़े जाने पर अब चुनाव आयोग में बैठकर शेरो शायरी करने वाले आयुक्तों को कहीं डूब मरने की भी जगह नहीं मिल पाएगी। भाजपा के शासनकाल में हमनें चंडीगढ़ मेयर चुनाव में पकड़ी गई धांधली और सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी को पहले भी सुन चुके हैं जिसमें इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया गया था। लेकिन अब चुनाव आयोग लोकतंत्र की हत्या की आरोपों में ऐसा फंस चुका है कि उसकी साख दांव पर लग गई है।

मुख्य सचिव ने सचिवालय में किया ध्वजारोहण

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख सचिव, सचिव, अपर सचिव, सचिवालय प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित बच्चों को राष्ट्रीय पर्व की शुभकामनाएं दी। मुख्य सचिव ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया और कहा कि यह देश उनका ऋणी है। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, साहस और समर्पण को याद करने का अवसर देता है, जिन्होंने हमें आजादी का अनमोल उपहार दिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तराखण्ड, विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है, ये केवल संकल्पना नहीं हैं, बल्कि उत्तराखण्ड इस लक्ष्य को हासिल करने के लिये कठोर परिश्रम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आप सभी के सहयोग से समृद्ध और सशक्त उत्तराखण्ड की संकल्पना तेजी से साकार हो रही है। उत्तराखण्ड ने विगत वर्षो में विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है, जिसके फलस्वरुप हम सशक्त उत्तराखण्ड के लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मातृशक्ति और युवा शक्ति की अहम् भागीदारी से हमारा प्रदेश सर्वश्रेष्ठ राज्यों की श्रेणी की ओर अग्रसर है।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री की अपेक्षा के अनुरूप वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने के लिए उत्तराखण्ड को मैन्युफैक्चरिंग हब, स्किल हब, आयुष प्रदेश और वैश्विक पर्यटन डेस्टिनेशन बनाने के विजन को साकार करने के लिये हमें कठोर परिश्रम करने की आवश्यकता हैं। पहाड़ी फसलें, मोटे अनाज और स्थानीय उत्पादों के माध्यम से उत्तराखण्ड की आजीविका को भी बल दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रगति के लिए यहाँ के छोटे और मझोले किसानों को भी मजबूती देनी आवश्यक है। उन्होंने राज्य के विकास के लिए गर्वनेंस के रिफॉर्म्स और प्रशासनिक सुधारों पर जोर देते हुए इसकी शुरूवात राज्य सचिवालय और जनपदों से ही किए जाने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने बढ़ती हुई प्राकृतिक आपदाओं के बीच शासन-प्रशासन में कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए एक अभियान चलाने की भी आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि ऑन-लाइन अनुश्रवण-मूल्यांकन हेतु राज्य में पी0एम0 गति शक्ति पोर्टल (स्टेट) तैयार कर

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

'वोट चोरी' मामले में तीन चरणों में अभियान चलायेगी कांग्रेस

हमारे संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस द्वारा मतदाता सूचियों में हेरफेर के मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए वोट चोरी मामले को लेकर देशभर में तीन चरणों में अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी कार्यक्रम के तहत बीती शाम उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में राजधानी देहरादून में विशाल 'वोट चोर, गद्दी छोड' कैंडिल मार्च का आयोजन किया गया।

इस बात की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने बताया कि वोट चोरी मामले में कांग्रेस नेतृत्व के निर्देश पर प्रदेशभर में तीन चरणों में राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाएगा जिसके तहत 14 अगस्त 2025 को सभी जिला एवं महानगर मुख्यालयों में विशाल 'वोट चोर, गद्दी छोड' कैंडल मार्च का आयोजन करने के साथ ही दिनांक 22 अगस्त से 7 सितम्बर 2025 के मध्य राजधानी सहित राज्य के प्रमुख शहरों में विशाल 'वोट चोर, गद्दी छोड' राज्य स्तरीय रैलियों का आयोजन किया जायेगा तथा दिनांक 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर 2025 के मध्य जिला, महानगर, ब्लाक, नगर एवं मंडल स्तर पर राष्ट्रव्यापी 'वोट चोर, गद्दी छोड' हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा जिसके तहत घर-घर और सार्वजनिक जनसम्पर्क अभियान चलाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं सहित आम जनता के हस्ताक्षर एकत्र कर चुनाव आयोग को सौंपे जायेंगे।

कैन्डिल मार्च कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व मंत्री हीरा सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकान्त धस्माना, प्रदेश महामंत्री संगठन विजय सारस्वत, प्रदेश कोषाध्यक्ष आर्येन्द्र शर्मा, महामंत्री नवीन जोशी, राजेन्द्र शाह, पूरण सिंह रावत, प्रदेश महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला, महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविन्दर सिंह गोगी, जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल, मीडिया चेयरमैन राजीव महर्षि, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह, सुजाता पॉल, गिरिराज किशोर हिंदवान, वीरेन्द्र रावत, विरेन्द्र पोखरियाल, अमरजीत सिंह, महेन्द्र सिंह नेगी, नवीन रमोला, मानवेन्द्र सिंह, लालचन्द शर्मा, मोहन काला, पुष्पा पंवार, चन्द्रकला नेगी, डॉ. प्रदीप जोशी, महंत विनय सारस्वत, सुरेन्द्र रांगड, आनन्द बहुगुणा, जगदीश धीमान, सावित्री थापा, मदन लाल, अभिनव थापर, ललित भद्री, महिपाल शाह सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे।

79वें स्वतंत्रता दिवस पर एसएसपी ने पुलिस लाइन में किया ध्वजारोहण

हमारे संवाददाता

देहरादून। 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा पुलिस लाइन देहरादून में शहीदों को नमन करते हुए ध्वजारोहण किया गया।

इस दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा उपस्थित सभी अधिनस्थों को कर्तव्यनिष्ठा एवं देश सेवा की शपथ दिलाई गई। ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सराहनीय कार्यो के लिए राष्ट्रपति पदक, मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक, तथा पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड प्रशस्ति डिस्क प्राप्त करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के नाम को पढ़कर उपस्थित अधिकारियों/ कर्मचारियों को अवगत कराया गया। जनपद देहरादून के सभी थाना/चौंकियो/कार्यालयों में भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा झंडारोहण कर उपस्थित पुलिस कर्मियों को शपथ दिलाई गई, साथ ही देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर शहीदों को याद कर उन्हें नमन किया गया।

चोपड़ा ने स्वतंत्रता सेनानी पार्क में फहराया राष्ट्र ध्वज

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 79वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा 75वे आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान नगर निगम प्रशासन द्वारा स्थापित किए गए चंडी चौराहा मार्ग के समीप स्वतंत्रता सेनानी पार्क में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद जवानों की याद में वृक्षारोपण कर शहीदों को नमन करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होने स्वतंत्रता दिवस की सभा के माध्यम से शासन प्रशासन से स्वतंत्रता सेनानी पार्क के रखरखाव के साथ टूटी हुई बाउंड्री वॉल की भी मरम्मत की मांग की है।

इस अवसर पर पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष, भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने कहा कि पूर्व में 75 वे आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान 17 अगस्त 2023 को अमर शहीदों स्वतंत्रता सेनानियों की याद में स्वतंत्रता सेनानियों की शिलापट्ट

लगाकर यह स्वतंत्रता सेनानी पार्क स्थापित किया गया था लेकिन रखरखाव न होने के कारण जनता के धन की बर्बादी के साथ अमर शहीदों स्वतंत्रता सेनानियों की भी उपेक्षा की जा रही है जोकि न्याय संगत नहीं है। उन्होंने शासन प्रशासन से मांग की है कि प्राथमिकता के आधार पर तत्काल प्रभाव से पूर्व में 75 वे अमृत महोत्सव के दौरान बनाए गए सभी पार्कों का पुन: जीवन उद्धार कर कर्मचारियों की नियुक्ति के साथ उचित प्रबंध किए जाने की व्यवस्था को बनाया जाना अति आवश्यक है। 79 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीदों की याद में स्वतंत्रता सेनानी पार्क में वृक्षारोपण करने वाले सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों में मोहनलाल, प्रदीप कुमार, विजय गुप्ता, वीरेंद्र कुमार, सोनू, शिवकुमार चौहान, प्रमोद गुप्ता, श्यामलाल, मोहन कुमार, मनोज, नईम सलमानी, पूनम माखन, सावित्री देवी, मंजू पाल, सुमन गुप्ता, आशा देवी, पुष्पा दास, सीमा, मधु, सावित्री देवी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

खेल मंत्री ने महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में किया झंडारोहण

हमारे संवाददाता

देहरादून। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज प्रांगण में झंडारोहण किया। जिसके उपरान्त उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी।

झंडारोहण के पश्चात स्पोर्ट्स कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि आज के दौर में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना ही सच्ची देशभक्ति है। खेल मंत्री ने कहा कि हमारा जो भी कर्तव्य है उसे ईमानदारी और निष्ठा के साथ करके हम देश के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं।

उन्होंने युवाओं से कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में सबसे बड़ी भूमिका युवा शक्ति की होने वाली है।

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

15 अगस्त

समस्त देशवासियों को

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

79वें स्वतन्त्रता दिवस

की

हार्दिक शुभकामनाएँ

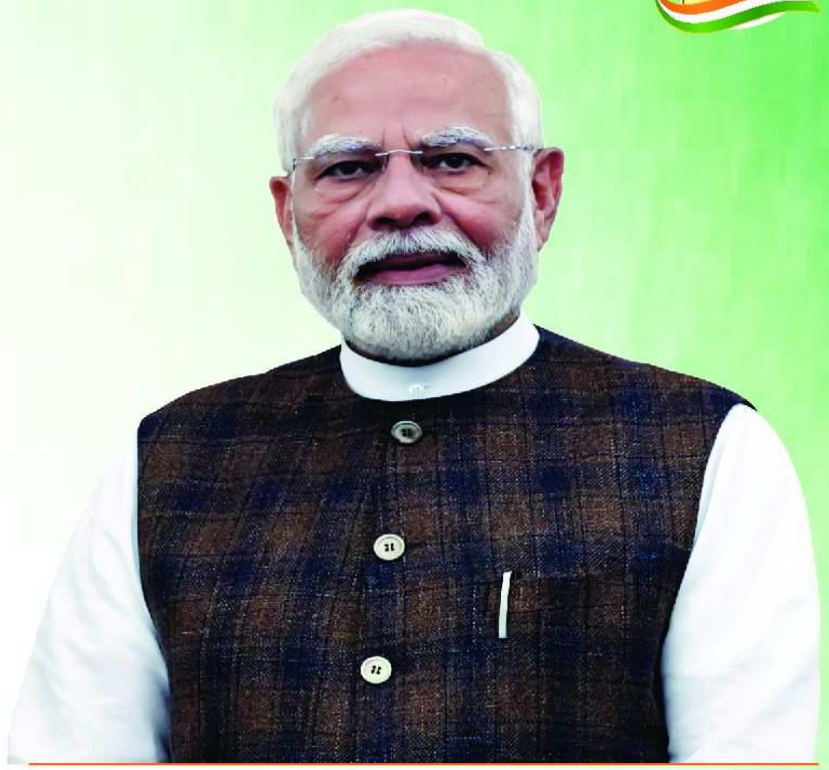

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

नये भारत का नया उत्तराखण्ड

महिला सशक्तिकरण

हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड से उत्तराखण्ड महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार जैविक और प्राकृतिक उत्पादों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध। को-ऑपरेटिव बैंकों और सहकारी समितियों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण। मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल। मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना का हुआ शुभांरभ।

बड़े निर्णय-बड़े प्रभाव

समान नागरिक संहिता, सशक्त भू-कानून, राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% क्षैतिज आरक्षण, राज्य आंदोलनकारियों के लिए सरकारी नौकरियों में 10% एवं सख्त

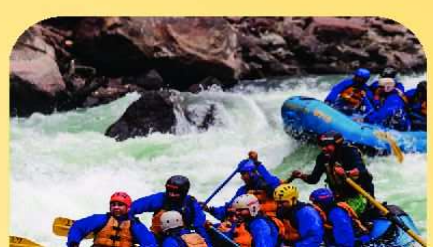

विरासत का संरक्षण

केदारनाथ धाम का दिव्य और भव्य पुनर्निर्माण। बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। हरिपुर कालसी में यमुना तीर्थ स्थल का होगा निर्माण। हरिद्वार-ऋषिकेश कॉरिडोर, शारदा कॉरिडोर का होगा निर्माण। मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत प्रथम चरण में 16 पौराणिक मंदिरों को किया जा रहा विकसित। महासू मन्दिन्दिर, हनोल के मास्टर प्लान को दी गई मंजूरी।

पर्यटन

उत्तराखण्ड के जखोल, सूपी, हर्षिल और गुंजी गांवों को भारत सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में पुरस्कृत किया गया। वाइब्रेट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों

आंदोलनकारियों के लिए सरकारी नौकरियों में 10% एवं सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून एवं दंगारोधी कानून हुआ लागू। राज्य में साढ़े 6 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि अतिक्रमण से मुक्त।

युवा-शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार

बीते 4 वर्षों में 23 हजार से ज्यादा युवाओं को मिली सरकारी नौकरी। राज्य में बेरोजगारी दर में 4.4 प्रतिशत की आई कमी। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत अब तक 35 हज़ार लोगों ने शुरू किया स्वरोजगार। नई शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना उत्तराखण्ड। उद्यम सिंह नगर के किच्छा में एम्स की सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य गतिमान। राज्य में 207 प्रकार की पैथोलॉजी जांच मुफ्त। अटल आयुष्मान योजना के तहत हर परिवार को मिल रहा हर साल ₹ 5 लाख तक का मुफ्त इलाज।

सैनिकों का सम्मान

राज्य सरकार द्वारा शहीद सैनिकों के परिजनों को मिलने वाली अनुग्रह अनुदान राशि को बढ़ाकर किया गया 50 लाख रुपये। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि को 50 लाख से बढ़ाकर किया गया डेढ़ करोड़। देहरादून में सैन्य धाम का हो रहा निर्माण कार्य।

उत्तराखण्ड लिख रहा इतिहास

नीति आयोग द्वारा सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) रैंकिंग में उत्तराखण्ड देश में प्रथम स्थान पर। राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखण्ड ने 103 पदक प्राप्त कर नया रिकार्ड बनाया। प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नई सौर ऊर्जा नीति, की गई तैयार। सतत प्रयासों से राज्य की जी.एस. डी.पी. में 1.3 गुना और प्रति व्यक्ति आय में 11.33 प्रतिशत की हुई बढोत्तरी। जीएसटी संग्रहण में 14 प्रतिशत की वृद्धि। सौभाग्य योजना के तहत 2.5 लाख हजार परिवारों को नि:शुल्क विद्युत कनेक्शन किए गए प्रदान।

गया। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों का चयन कर, किया जा रहा सुनियोजित विकास। राज्य में पहली बार शीतकालीन यात्रा का हुआ शुभारंभ। राज्य में अब तक 4 हजार से अधिक होमस्टे पंजीकृत।

कनेक्टिविटी

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा केवल 2.5 घंटे में पूरी होगी। गौरीकुण्ड से केदारनाथ एवं गोविन्दघाट से हेमकुण्ड साहिब तक रोपवे निर्माण कार्य को मिली केंद्र सरकार से स्वीकृति। पिथौरागढ़ से पंतनगर, दिल्ली, देहरादून तक शुरू हुई उड़ान सेवा। ऋषिकेश - कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना का कार्य तेजी से गतिमान। नैनीताल, बागेश्वर, मसूरी, चंपावत, गौचर, श्रीनगर, चिन्यालीसौड़, मुन्स्यारी, पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा को हेली सेवा से जोड़ा गया। टनकपुर-बागेश्वर रेललाईन पर सर्वे का कार्य हुआ पूरा। उत्तराखण्ड को केंद्र से दो वंदे भारत ट्रेन की मिली सौगात।

उद्योग एवं निवेश

एमएसएमई नीतिः नए औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन। ऊधमसिंह नगर के खुरपिया फॉर्म में भारत सरकार द्वारा स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप स्वीकृत। इन्वेस्टर्स समिट में 3.5 लाख करोड़ के एमओयू, 30 निवेश अनुकूल नई नीतियां, अब तक लगभग 1 लाख करोड़ की हुई ग्राउंडिंग।

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

आओ, मिलकर फहराएँ हर घर तिरंगा

बड़े आयोजन

- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023
- जी-20 सम्मेलन 2023
- 38वें राष्ट्रीय खेल 2024
- अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन - 2025
- विश्व आयुर्वेद कांग्रेस
- अंतर्राष्ट्रीय एक्सपो - 2024 का राज्य में हुआ सफल आयोजन।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

बहुभाषी, समावेशी शिक्षा अब व्यापक स्तर पर साकार

धर्मेन्द्र प्रधान

एनईपी के पाँच वर्ष पूरे होने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि भाषा के चयन से लेकर कौशल पर बल तक, इसकी अवधारणाओं ने कक्षा के अनुभव को मूल रूप से बदलदिया है

2020 में भारत ने केवल एक नई नीति नहीं अपनाई, बल्कि एक प्राचीन आदर्श को फिर से जीवंत किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने सीखने को राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया और इसे हमारी सभ्यतागत परंपराओं से जोड़ा। स्वर्गीय डॉ. के. कस्तूरीरंगन जी के नेतृत्व में तैयार की गई यह नीति इतिहास की सबसे व्यापक जन-सहभागिता वाली नीति-निर्माण प्रक्रिया में से एक थी। यह एक ऐसा दूरदर्शी रूपरेखा थी जो सांस्कृतिक मूल्यों में निहित था। यह एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना थी जो रटने की प्रवृत्ति, कठोर ढाँचों और भाषाई ऊँच-नीच से परे हो-समावेशी, सर्वांगीण और भविष्य के लिए तैयार।

पाँच वर्षों में एनईपी का असर केवल नीतियों तक नहीं, बल्कि कक्षाओं तक स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अब प्राथमिक कक्षाओं में खेल आधारित शिक्षण, रटने की पद्धति की जगह ले चुका है; बच्चे अपनी मातृभाषा में सहजता से पढ़ रहे हैं; छठी कक्षा के विद्यार्थी व्यावसायिक प्रयोगशालाओं में हाथों-हाथ कौशल सीख रहे हैं। अनुसंधान संस्थानों में भारत का पारंपरिक ज्ञान आधुनिक विज्ञान के साथ संवाद कर रहा है। एनईपी की सोच एसटीईएम क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और वैश्विक मंचों पर भारतीय संस्थानों की उपस्थिति में भी झलकती है।

निपुण भारत मिशन ने बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को कक्षा 2 तक सुनिश्चित किया है। एएसईआर 2024 और परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 जैसी रिपोर्टों में यह प्रगति परिलक्षित होती है- आज की कक्षाएं जिज्ञासा और समझ का केंद्र बन चुकी हैं। विद्या प्रवेश और बालवाटिका जैसी पहलें अब प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा को व्यवस्थित रूप से एकीकृत कर रही हैं। 22 भारतीय भाषाओं में जादुई पिटारा और ई-जादुई पिटारा, नई पीढ़ी की पाठ्यपुस्तकों के साथ, शिक्षा को रुचिकर बना रहे हैं। निष्ठा प्रशिक्षण के माध्यम से 14 लाख से अधिक शिक्षक प्रशिक्षित हो चुके हैं और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म शिक्षण सामग्री को देशभर में सुलभ बना रहे हैं।

एनईपी ने यह स्पष्ट किया कि भाषा कोई बाधा नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है। 117 भाषाओं में प्राइमर विकसित किए गए हैं और भारतीय सांकेतिक भाषा को एक विषय के रूप में शामिल किया गया है। भारतीय भाषा पुस्तक योजना और राष्ट्रीय डिजिटल भंडार (राष्ट्रीय डिजिटल डिपॉजिटरी) भारतीय ज्ञान प्रणालियों के लिए जैसी योजनाएं भाषाई और सांस्कृतिक ज्ञान को लोकतांत्रिक बना रही हैं। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) और कक्षा 1 से 8 की नई किताबें अब जारी हो चुकी हैं। प्रेरणा एक सेतु कार्यक्रम है जो छात्रों को नई पाठ्यचर्या में सहजता से ढालने के लिए मार्गदर्शन करता है, ताकि वे अभिभूत न हों, बल्कि हर चरण में सहयोग प्राप्त करें।

समग्र शिक्षा और पीएम पोषण जैसी योजनाओं ने लगभग सार्वभौमिक नामांकन को संभव बनाया है। एनईपी का प्रभाव वंचित समूहों तक भी पहुँचा है। 5,138 से अधिक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में 7.12 लाख से अधिक वंचित समुदायों की बालिकाएं नामांकित हैं। धर्ती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 692 और पीवीटीजी छात्रों के लिए 490 से अधिक छात्रावास स्वीकृत किए गए हैं। प्रशस्त कार्यक्रम के माध्यम से दिव्यांगता की पहचान कर शिक्षा व्यवस्था को और अधिक समावेशी व सशक्त बनाया गया है।

एनईपी 2020 के परिवर्तन का एक प्रमुख स्तंभ हैं 14,500 पीएम-स्कूल, जो आधुनिक, समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल हैं। ये विद्यालय एनईपी के विजन के अनुरूप आदर्श मॉडल स्कूल बन रहे हैं, जो बुनियादी ढाँचे और शिक्षण पद्धति दोनों को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं। विद्यांजलि प्लेटफॉर्म ने 8.2 लाख स्कूलों को 5.3 लाख से अधिक स्वयंसेवकों और 2,000 सीएसआर पार्टनर्स से जोड़ा है, जिससे 1.7 करोड़ छात्रों को सीधा लाभ मिला है।

उच्च शिक्षा में कुल नामांकन 3.42 करोड़ से बढ़कर 4.46 करोड़ हो गया है- 30.5त्न की बढ़ोत्तरी। इनमें लगभग 48त्न छात्राएं हैं। महिला पीएचडी नामांकन 0.48 लाख से बढ़कर 1.12 लाख हो गया है। एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक छात्रों का बढ़ता नामांकन उच्च शिक्षा में समावेशिता का ऐतिहासिक संकेत है। महिला जीईआर लगातार छह वर्षों से पुरुषों से अधिक रहा है। मल्टीपल एंट्री-एग्जिट, अकादमिक क्रेडिट बैंक, और राष्ट्रीय ऋण ढांचा जैसे नवाचारों ने शिक्षा को विकल्पों से भरपूर और छात्र-केंद्रित बनाया है। 21.12 करोड़ अपार आईडी उपलब्ध कराई गईहैं। 153 विश्वविद्यालयों में मल्टीपल एंट्री और 74 में एग्जिट विकल्प उपलब्ध हैं-अब सीखना क्रमबद्ध नहीं, बल्कि मॉड्यूलर है।

एनईपी के अनुसंधान और नवाचार पर ज़ोर ने भारत के वैश्विक नवाचार सूचकांक को 81वें स्थान से 39वें तक पहुंचाया है। 400 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों में 18,000 से अधिक स्टार्टअप इनक्यूबेट किए गए हैं। अनुसंधान एनआरएफ, पीएमआरएफ 2.0, और ?6,000 करोड़ की वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना शोध को विकेंद्रीकृत और सुलभ बना रही हैं।

स्वयं और स्वयं प्लस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर 5.3 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुके हैं। दीक्षा और पीएम ई-विद्या के 200+ डीटीएच चैनलों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण सामग्री देश के हर कोने में उपलब्ध हो रही है। द्विवार्षिक प्रवेश, डुअल डिग्री जैसी व्यवस्थाएं उच्च शिक्षा को और अधिक समावेशी, बहुविषयक और उद्योगोन्मुखी बना रही हैं। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में भारत के 54 संस्थान शामिल हुए हैं, जबकि 2014 में केवल 11 थे। डीकिन, वोलोंगोंग, और साउथेम्प्टन जैसे वैश्विक विश्वविद्यालय भारत में कैंपस स्थापित कर रहे हैं।

परिवर्तन की इस यात्रा का उत्सव अखिल भारतीय शिक्षा समागम के माध्यम से मनाया जा रहा है, लेकिन इसका मूल्यांकन शिक्षार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के शांत आत्मविश्वास में हो रहा है। हमें अपने परिसरों को हराभरा बनाना, महत्वपूर्ण अनुसंधान अवसंरचना का विस्तार करना और सीखने के परिणामों को और अधिक गहरा करना जारी रखना होगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा केवल एक नीति नहीं, बल्कि सबसे बड़ा राष्ट्रीय निवेश बन चुकी है। जहाँ शिक्षा है, वहीं प्रगति है। एक अरब जागरूक और सशक्त नागरिक केवल जनसांख्यिकीय लाभांश नहीं हैं, बल्कि नए भारत का सुपरनोवा हैं।

प्रकाश राज और डार्लिंग कृष्णा की फिल्म फादर का फर्स्ट लुक रिलीज

प्रकाश राज और डार्लिंग कृष्णा की आगामी पैन इंडिया फिल्म फादर का फर्स्ट लुक पोस्टर लॉन्च कर दिया गया है। इस मौके को खास बनाने के लिए इसे लीड एक्टर डार्लिंग कृष्णा के जन्मदिन पर रिलीज किया गया।

फिल्म को प्रेजेंट कर रहे हैं आनंद पंडित और इसे प्रोड्यूस किया है आर चंद्रु ने। फिल्म का निर्देशन राजा मोहन कर रहे हैं। फर्स्ट लुक पोस्टर में डार्लिंग कृष्णा और प्रकाश राज एक स्कूटर पर बैठे नजर आ रहे हैं। यह विजुअल पहले ही दर्शकों के मन में एक भावनात्मक कहानी की झलक दे देता है। पोस्टर में दिख रहा है कि फिल्म एक बाप-बेटे की इमोशनल जर्नी पर आधारित हो सकती है, जिसमें रिश्तों के कई रंग देखने को मिलेंगे।

यह फिल्म बहुभाषी (मल्टी-लैंग्वेज) रिलीज के तौर पर तैयार की जा रही है और इसे पैन इंडिया ऑडियंस के लिए पेश किया जाएगा। फिल्म में प्रकाश राज एक अहम भूमिका में नजर आएंगे, जो पहले ही अपनी दमदार परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं। डार्लिंग कृष्णा के जन्मदिन पर फैंस के लिए यह पोस्टर एक तोहफे की तरह सामने आया है। अब सभी को इस इमोशनल ड्रामा फिल्म के ट्रेलर और रिलीज डेट का इंतजार है।

फिल्म फादर को लेकर अभी से दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह इमोशनल ड्रामा किस तरह से दर्शकों के दिलों को छूता है।

सू- दोकू क्र.48

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.47 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

पूरे शरीर को मजबूती देने में सहायक है रिवर्स स्नो एंजेल एक्सरसाइज, जानिए करने का तरीका

रिवर्स स्नो एंजेल एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो आपके पूरे शरीर को ताकत देने के साथ-साथ आपको फिट भी रख सकती है। यह एक्सरसाइज खासतौर पर आपकी पीठ, कंधों और बाजुओं के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। इसे करने से न केवल मांसपेशियां मजबूत होती हैं, बल्कि शरीर का संतुलन भी बेहतर होता है। आइए आज हम आपको इस एक्सरसाइज को करने का सही तरीका बताते हैं, ताकि आप इसका अधिकतम लाभ उठा सकें।

सही जगह का चुनाव करें

रिवर्स स्नो एंजेल एक्सरसाइज करने के लिए आपको एक आरामदायक जगह चुननी चाहिए। यह पार्क हो सकता है या फिर आपका घर का कोई कमरा हो सकता है। बस ध्यान रखें कि वहां कोई रुकावट न हो और फर्श साफ-सुथरा हो, ताकि आप बिना किसी परेशानी के एक्सरसाइज कर सकें। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो एक योगा मैट भी बिछा सकते हैं, जिससे आपकी पीठ को आराम मिलेगा और फर्श की ठंडक से बचाव होगा।

सही मुद्रा अपनाएं

रिवर्स स्नो एंजेल करने के लिए सबसे पहले जमीन पर सीधे लेट जाएं। इस दौरान ध्यान रखें कि आपका चेहरा नीचे की ओर हो और हाथ-पैर सीधे हों। अब धीरे-धीरे अपने हाथों को सिर के ऊपर ले जाएं और उन्हें फैलाएं। इसी तरह अपने पैरों को भी फैलाकर रखें। इस अवस्था में आपको ऐसा महसूस होगा जैसे कि आप बर्फ पर लेटे हुए हैं और हाथ-पैर हवा में चला रहे हों। इस अवस्था में 2-3 मिनट तक बने रहें।

धीरे-धीरे समय बढ़ाएं

शुरुआत में इस एक्सरसाइज को 1-2 मिनट तक करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। जैसे-जैसे आपकी शारीरिक क्षमता बढ़ेगी, आप इसे 5-10 मिनट तक भी कर सकते हैं। इस एक्सरसाइज को नियमित रूप से करने से आपकी पीठ, कंधे और बाजुओं की मांसपेशियां मजबूत होंगी और शरीर का संतुलन भी बेहतर होगा। इसके अलावा, यह एक्सरसाइज तनाव कम करने में भी मदद करती है, जिससे आप मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे।

सांसों पर ध्यान दें

रिवर्स स्नो एंजेल करते समय अपनी सांसों पर खास ध्यान दें। गहरी सांस लें और धीरे-धीरे उसे छोड़ें। इससे न केवल आपका शरीर ऑक्सीजन प्राप्त करेगा, बल्कि मन भी शांत रहेगा। जब आप अपने हाथों को ऊपर-नीचे करें तो सांस लेने और छोड़ने का ध्यान दें। इससे आपकी मांसपेशियां बेहतर तरीके से काम करेंगी और आपको अधिक लाभ मिलेगा। अगर आपको महसूस हो कि आपकी सांस फूल रही है तो रुक जाएं।

सुरक्षा का ख्याल रखें

इस एक्सरसाइज को करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। अगर आपकी पीठ या कंधों में कोई समस्या है तो इसे करने से पहले डॉक्टर की सलाह लें। इसे बहुत ज्यादा देर तक करने से बचें, ताकि चोट न लगे। अगर आप पहली बार यह एक्सरसाइज कर रहे हैं तो किसी विशेषज्ञ की निगरानी में करें, ताकि सही तरीके से अभ्यास हो सके। इन सभी बातों का ध्यान रखकर आप रिवर्स स्नो एंजेल का फायदा उठा सकते हैं। (आरएनएस)

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बलवीर रोड स्थित भाजपा कार्यालय में ध्वजारोहण किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, राज्य सभा सांसद नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री गणेश एवं पार्टी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आवास पर सीएम धामी ने किया ध्वजारोहण

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने देश की आजादी एवं माँ भारती की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले महानायकों का स्मरण किया। प्रदेश के धराली और अन्य क्षेत्रों में आपदा से जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि आपदा से प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमर बलिदानियों के सपनों के अनुरूप देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक स्तर पर भारत की स्वीकार्यता बढ़ी है। उनके नेतृत्व में देश में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उत्तराखंड में नवनिर्माण और पुनर्निर्माण के कार्य तेजी से हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्प के साथ कार्य कर रही है। आगामी 25 वर्षों की योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। जन सहयोग से उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने सचिवालय में ..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

परियोजनाओं यथा कैपिटल असिस्टेंस योजना, मिसिंग लिंक योजना, डैशबोर्ड, सीएम कॉन्क्लेव पीएमजी, प्रगति, ई-समीक्षा, ई-आंकलन, मुख्यमंत्री घोषणा आदि कार्यक्रमों की समीक्षा एवं मूल्यांकन कार्य सम्पादित किया जा रहा है। आवास विभाग के ऑनलाईन एप्लीकेशन सिस्टम ऐप को प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार द्वारा स्टेट बेस्ड सर्विस डिलीवरी प्लेटफार्म के लिये बेस्ट प्रेक्टिस की श्रेणी में नामित किया है। उन्होंने कहा कि वाईब्रेन्ट विलेज कार्यक्रम के तहत सीमावर्ती गांवों के बहुमुखी विकास हेतु केन्द्र सरकार द्वारा राज्य के जनपद उत्तरकाशी, चमोली तथा पिथौरागढ़ के कुल 51 गांवों का चयन किया गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में 'अपुणि सरकार' परियोजना के अपुणि सरकार पोर्टल को भारत सरकार के प्रशासनिक एवं लोक शिकायत विभाग के छमेक फ्रेमवर्क द्वारा देशभर में बेस्ट प्रेक्टिस के रूप में पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि राज्य में जल सरक्षण हेतु स्प्रिंग एवं रिवर रिजुविनेशन ऑथोरिटी का गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य के प्राकृतिक जल स्रोतों एवं नदियों का चिन्हीकरण, जल उत्सर्जन में वृद्धि, मापन एवं अनुश्रवण आदि के माध्यम से सतत उपयोग सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य में हाउस ऑफ हिमालय जैसे ब्रांड को विकसित करने का लक्ष्य रखा है। आज मुझे खुशी है हाउस ऑफ हिमालय और वोकल फॉर लोकल जैसे प्रयासों से ग्रामीण विकास एवं आर्थिक विकास को हासिल करने में राज्य सफल होता हुआ दिख रहा है। मुख्य सचिव ने सभी का आह्वान करते हुए कहा कि हमें अपने दायित्वों को और अधिक जिम्मेदारी के साथ निभाना होगा। आइए, हम ईमानदारी, दक्षता और नवाचार की भावना के साथ काम करें, ताकि हम अपने महान राष्ट्र के सपनों को साकार कर सकें। आइए, हम मिलकर प्रयास करें, यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारा हर निर्णय देश की प्रगति और लोगों के कल्याण में योगदान दे। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, एल. फैनई, आर. मीनाक्षी सुन्दरम, सचिवगण, अपर सचिवगण एवं सचिवालय प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

राजभवन में राज्यपाल ने ध्वजारोहण कर दी देशवासियों को शुभकामनाएं

हमारे संवाददाता

देहरादून। 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने देश व प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनके त्याग, बलिदान, शौर्य और संघर्ष के बल पर हमें आजादी प्राप्त हुई है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बन रहा है, यह आत्मनिर्भरता हमारे विकास का आधार है। राज्यपाल ने कहा कि डिजिटल स्वदेशी यानी अपने डेटा, सॉफ्टवेयर और तकनीक पर निर्भर रहना जरूरी है, क्योंकि यह हमारी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा दोनों के लिए अहम है। उन्होंने कहा कि आने वाले 22 साल भारत के लिए आर्थिक और तकनीकी रूप से मजबूत बनने का सुनहरा समय है। आज दुनिया में मुकाबला तकनीक, अर्थव्यवस्था और नवाचार के स्तर पर हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने वाले समय की सबसे बड़ी ताकत है, जो स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, परिवहन और रक्षा जैसे सभी क्षेत्रों में बदलाव ला रही है। उन्होंने युवाओं को तकनीक और नवाचार में आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए विश्वास जताया कि 2047 में भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में दुनिया के सामने खड़ा होगा।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड विषम भौगोलिक परिस्थितियों के होने के बावजूद निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। योग, आयुर्वेद, हनी, अरोमा और वेलनेस जैसे क्षेत्रों में यहां अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें आर्थिक अवसरों में बदलना हमारी साझा जिम्मेदारी है। उन्होने कृषि, जैविक खेती और औद्यानिकी को सशक्त बनाने हेतु राज्य सरकार के प्रयासों की भी प्रशंसा की। राज्यपाल ने कहा कि मातृशक्ति और बेटियों की प्रतिभा पर हमें बेहद गर्व है। उनकी मेहनत, साहस और प्रतिभा प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। उन्होंने युवाओं और महिलाओं के कौशल विकास के साथ-साथ नई तकनीकों एआई, स्पेस, साइबर, क्वांटम और रोबोटिक्स में सहभागिता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल, एडीसी अमित श्रीवास्तव, मेजर सुमित कुमार शादिजा, संयुक्त निदेशक सूचना डॉ. नितिन उपाध्याय, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. महावीर सिंह एवं डॉ. ए.के. सिंह सहित राजभवन में तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आबकारी मुख्यालय में आयुक्त ने किया ध्वजारोहण

हमारे संवाददाता

देहरादून। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आबकारी मुख्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आबकारी आयुक्त अनुराधा पाल ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। इस दौरान उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

आबकारी आयुक्त अनुराधा पाल ने कहा कि आज का दिन देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले वीर सपूतों को याद करने और उनके आदर्शों को अपनाने का दिन है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर देशहित और राज्यहित में कार्य करें, ताकि विकास की गति को और तेज किया जा सके।

उन्होंने कहा कि आजादी के सही मायने तभी पूरे होगें जब हम सभी अपने-अपने क्षेत्र में ईमानदारी, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। कहा कि हर नागरिक को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति में अपना योगदान देगा। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से भी अपील की कि वे सेवा भाव को सर्वोपरि रखते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान के साथ देशभक्ति गीतों का आयोजन हुआ। इस मौके पर विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया।

स्वतंत्रता दिवस पर विधानसभा अध्यक्ष ने किया झंडारोहण

हमारे संवाददाता

देहरादून। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विधानभवन, देहरादून परिसर में ध्वजारोहण किया।

झंडारोहण के उपरांत अपने संबोधन में विधानसभा अध्यक्ष ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं आंदोलनकारियों के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रप्रेम को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आजादी का यह पर्व हमें अपने कर्तव्यों, मूल्यों और देशहित में योगदान देने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने धराली आपदा में हुए जनहानि एवं क्षति पर गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन प्रभावित परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए

❑स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को किया नमन व धराली आपदा पीड़ितों के प्रति व्यक्त की संवेदनाए

उन्होंने हाल ही में पहलगाम में हुई घटना का उल्लेख किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए कहा कि यह आतंकवाद के विरुद्ध भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और सैन्य सामर्थ्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत वैश्विक मंच पर मजबूती से खड़ा है, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड के प्रति विशेष लगाव हमारे लिए गर्व का विषय है। चारधाम परियोजना, ऑल वेदर रोड, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा, तथा पहाड़ी क्षेत्रों के सतत विकास हेतु प्रधानमंत्री द्वारा दी गई प्राथमिकता ने उत्तराखंड के विकास को नई गति प्रदान की है। अंत में, विधानसभा अध्यक्ष ने समस्त प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें एकजुट होकर "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य की ओर बढ़ना है और उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना है।

किसानों के हितों पर नहीं होगा समझौता: मोदी

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस 2025 के मौके पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका और वहां की नीतियों को लेकर कड़ा संदेश दिया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विशेष तौर पर अमेरिकी टैरिफ नीतियों और उससे जुड़े प्रभावों का जिक्र करते हुए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा, भारत के किसान, मछुआरे और पशुपालकों से जुड़ी किसी भी अहितकारी नीति के आगे मोदी दीवार बनकर खड़ा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अपने किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के हितों से जुड़े किसी भी मुद्दे पर समझौता स्वीकार नहीं करेगा। मोदी के इस बयान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के कृषि और ग्रामीण हितों की रक्षा के प्रति उनके अडिग रुख के तौर पर देखा जा रहा है।

पीएम नरेंद्र मोदी के इस भाषण को अमेरिका को एक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है, जिसने हाल ही में भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया। अमेरिका भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्र में अपनी पहुंच बनाने की कोशिश के तहत ट्रेड डील पर आगे बढ़ना चाहता था। हालांकि, भारत ने इस डील से स्पष्ट तौर पर इनकार कर दिया। इससे बौखलाए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। अमेरिका की इस टैरिफ धमकी के बावजूद भारत अभी भी अपने फैसले पर अडिग है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल कच्चिले से अपने संबोधन में कहा कि, देश के किसानों का सामर्थ्य पहले से कहीं ज्यादा बढ़ा है। उन्होंने बताया कि पिछले साल हमारे किसानों ने अनाज उत्पादन में सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। आज भारत दूध और दाल उत्पादन में दुनिया में नंबर वन है, जबकि मछली उत्पादन में दूसरा स्थान हासिल कर चुका है। इसी तरह, चावल, गेहूं, फल और सब्जियों के उत्पादन में भी भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की अर्थव्यवस्था की तारीफ कर रही है। महंगाई नियंत्रण में है, विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत है और ग्लोबल रेटिंग एजेंसियां लगातार भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था पर दुनिया का भरोसा लगातार बढ़ रहा है, और हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने में लगी है कि इस विकास का लाभ गरीबों, किसानों, महिलाओं और मध्यमवर्ग तक पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा कि देश में नए-नए सेक्टर में रोजगार और निवेश के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था और भी सशक्त हो रही है।

स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्ट्रेट परिसर में छाया देश भक्ति का रंग

डीएम ने जनपदवासियों को दी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

हमारे संवाददाता

देहरादून। दून जनपद में 79 वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कलेक्ट्रेट परिसर में सुबह 9 बजे ध्वजारोहण कर जनपद वासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महापुरुषों को नमन करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि देश को बडे संघर्षो, प्रयत्नों और बलिदानों के बाद आजादी मिली है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अमूल्य बलिदान को याद कर हम सबको आजादी के महत्व को समझना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आजादी एक अधिकार के साथ एक दायित्व भी है। सभी लोग पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं कर्मठता के साथ अपने-अपने दायित्वों का पूर्ण मनोयोग से निर्वहन करेंगे और भारत के नवनिर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि हमें राष्ट्र की एकता, अखंडता को बनाए रखते हुए देश के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ निरंतर काम करना होगा। विकसित राष्ट्रों की भांति हम सभी को देश के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। देश के अंतिम छोर पर खडे नागरिक तक सरकार की विकासपरक योजनाएं, मूलभूत सुविधाएं, इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास और सोशल सर्विसेज का सुगमता से लाभ पहुंचाना होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि आजादी के इस पर्व पर हम सब विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प लेकर चलें। ताकि हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सपना पूर्ण हो सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशा) जय भारत सिंह, एसडीएम अपूर्वा सिंह सहित क्लेक्ट्रेट परिसर स्थित सभी पटलों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद थे।

आईपीएस श्वेता चौबे को मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक से किया सम्मानित

हमारे संवाददाता

देहरादून। आईपीएस श्वेता चौबे को मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 2025 में उत्तराखंड के 144 पुलिस कर्मियों के साथ दिया गया है। बता दें कि पूर्व समय में भी आईपीएस श्वेता चौबे को विभिन्न अवसरों पर सम्मानित किया गया है। 2010 में कुंभ मेले के सफल आयोजन के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने उन्हें मुख्यमंत्री पदक से सम्मानित किया था। इसके अतिरिक्त 2013 में केदारनाथ आपदा के दौरान उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया गया। वहीं 2024 के गणतंत्र दिवस के अवसर पर उन्हें सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था इसके अतिरिक्त उन्हें महिला सुरक्षा के लिए पौड़ी जिले में चलाए गए ऑपरेशन पिक प्रोजेक्ट के लिए स्कोच अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है।

उत्तराखंड के आठ पुलिस अधिकारी हुए राष्ट्रपति से सम्मानित

हमारे संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्वारा स्वतंत्रता दिवस-2025 के अवसर पर उत्तराखण्ड के आठ पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को विशिष्ट सेवाओं के लिए "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" एवं सराहनीय सेवाओं के लिए "सराहनीय सेवा के लिये पदक" से सम्मानित किये जाने की घोषणा की गई है।

राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित हुए पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों में पुलिस सर्विस से नारायण सिंह नपलच्याल, पुलिस महानिरीक्षक/निदेशक यातायात उत्तराखण्ड, फायर सर्विस से वंश बहादुर यादव, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, जनपद देहरादून व सराहनीय सेवा के लिए पुलिस सर्विस से जगदीश चन्द्र, अपर पुलिस अधीक्षक, जनपद नैनीताल, नवीन चन्द्र सेमवाल, पुलिस उपाधीक्षक कार्मिक उत्तराखण्ड, देहरादून, प्रतिमा भट्ट, पुलिस उपाधीक्षक, 46वीं वाहिनी पीएसी रूद्रपुर, ऊधमसिंहनगर, सौहकार सिंह, उप निरीक्षक अभिसूचना, सचिवालय/विधानसभा सुरक्षा देहरादून, मुजीबुल हसन, आरक्षी तकनीकी, 46वीं वाहिनी पीएसी रूद्रपुर, ऊधमसिंहनगर व फायर सर्विस से पवन कुमार, फायर सर्विस चालक, जनपद देहरादून शामिल है। पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड दीपम सेठ ने सभी पदक विजेताओं को उनकी सेवा और समर्पण के लिए बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में फायरिंग करने वाले छह आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। ब्लाक प्रमुख चुनाव में फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले 6 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मामला बेतालघाट में ब्लॉक प्रमुख चुनाव की वोटिंग के दौरान का है। बताया जा रहा है कि ब्लॉक प्रमुख पद के एक प्रत्याशी के समर्थकों द्वारा प्रतिद्वंदी प्रत्याशी के समर्थकों पर पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग की गई साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना में महेंद्र सिंह बिष्ट उर्फ गोधन सिंह पुत्र मोहन सिंह निवासी छड़ा खैरना, थाना भवाली, जिला नैनीताल गंभीर रूप से

घायल हो गए। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरना ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हे हायर सेंटर रेफर किया गया।

वहीं पुलिस ने फायरिंग के मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिन्होने पूछताछ में अपना नाम दीपक सिंह रावत उर्फ लटवाल पुत्र सुरेंद्र सिंह निवासी चित्रकूट, कोटद्वार रोड (चोरपानी), रामनगर, यश भटनागर उर्फ यशु पुत्र राजीव भटनागर निवासी शिवलालपुर रोनिया, रामनगर, वीरेंद्र आर्य उर्फ विक्की पुत्र मोहन राम निवासी लखनपुर, रामनगर, रविंद्र कुमार उर्फ रवि पुत्र चंदन प्रकाश, निवासी ढेला पटरानी, रामनगर, प्रकाश भट्ट पुत्र गोपाल दत्त निवासी खुरियाखत्ता नं. 8, बिंदुखत्ता व पंकज पपोला पुत्र नर सिंह, निवासी खुरियाखत्ता नं. 9, बिंदुखत्ता बताया।

पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।